

4, 56. सु०. 2, 54, 17. 104, 13. 115, 8. 120, 2. 152, 6. 508, 9.

1. मार्ग, मार्गति (Dhātup. 34, 39), ०ते und मार्गयति (Dhātup.); 1) suchen, aufsuchen: मार्गति वाञ्छितम् MBh. 3, 8862. 2524. 11201. R. 2, 99, 3. 4, 49, 7. प्रूरं कृतज्ञं दृढसौहार्दं च लक्ष्मीः स्वयं मार्गति Spr. 460. मार्गिष्यन् R. 5, 12, 1. मार्गधम् 4, 40, 18. मार्गमाण MBh. 1, 3306. 3, 2593. 8751. 4, 871. R. 1, 1, 58. 40, 15. मार्गितुम् 4, 49, 27. मार्गित AK. 3, 2, 54. H. 1491. HARIV. 2800 (nach der Lesart der neueren Ausg.; s. u. मार्गितव्य). — 2) durchsuchen: मार्गन्तु वसुधामिमाम् HARIV. 10314. R. 4, 40, 21. 49, 28. मार्गधम् MBh. bei LASSEN, De Pent. 28. HARIV. 10320. पुनर्मार्गामहे शैलान् R. 4, 49, 19. मार्गमाण 1, 61, 10. मार्गित्वा 43, 25. 50, 7. मार्गित HARIV. 10349. R. 4, 49, 4. 5, 14, 63. — 3) Etwas suchen so v. a. in den Besitz von Etwas zu gelangen suchen, zu erlangen streben, einer Sache nachgehen, trachten nach (acc.): न च तुष्यति लब्धेन भूय एव च मार्गति MBh. 12, 6612. प्रयत्नं कृतवन्तो ऽपि दृश्यते क्षयफला नराः । मार्गत्याय-शतिरर्थानमार्गिणापरः सुखी ॥ 13, 7602. BHĀG. P. 3, 5, 40. अतमोत्कर्षं न मार्गेत परेषां परिनिन्द्या । स्वगुणैरेव मार्गेत विप्रकर्षं पृथग्जनात् ॥ Spr. 3704. विचित्राणि मार्गमाणा योषा VARĀH. BRH. 27, 29. मार्गित (महार्त्त) SADDH. P. 4, 7, b. zu erstehen —, zu kaufen suchen: मार्गति स्म च मूल्येन तान्वस्त्रसक्तितान्क्यान् KATHĀS. 43, 79. — 4) Etwas (acc.) von Jmd (abl.) verlangen, fordern, sich erbitten: न वृत्तिं परतो मार्गित् MBh. 12, 10771. VID. 315. KATHĀS. 39, 66. वरं वरेण्यो नृपतेरमार्गित् BHĀTĪ. 1, 12. शतं सहस्राणां पदानां मार्गिता भवान् HARIV. 14233. MRĪKĪ. 107, 13. मार्गिय-तुम् KATHĀS. 60, 240. मार्गित JĀĒN. 2, 66. ein Mädchen zur Ehe verlan- gen: कन्या स्वभागिन्याय मार्गियिष्यति तत्समाम् CATR. 14, 146. पश्चाव- तोम् — तन्मन्त्रिमार्गिताम् KATHĀS. 16, 59. Z. d. d. m. G. 14, 570, 7. Mit doppeltem acc.: यावत्पाथेयं तं स मार्गति KATHĀS. 61, 306. CATR. 14, 177. — Ein aus मृग्य् hervorgegangener Verbalstamm.

— अनु durchsuchen: कृत्स्नां पृथिवीमनुमार्गति R. GORR. 1, 41, 15.

— परि 1) suchen: ते पथानन्तरान् (यथा° ed. Calc.) वृत्तान्त्वल्मीकान्वि-षमाणि च । पाणिभिः परिमार्गिता भीता वायोर्निलित्यरे ॥ MBh. 3, 10975. राजानं परिमार्गिता 9, 1702. 13, 3463. R. 4, 49, 11. 5, 9, 33. °मार्गितुम् 14, 61. fg. MBh. 4, 896. सर्वतः परिमार्गिता यथा दृश्येत ज्ञानकी R. 4, 43, 67. — 2) durchsuchen R. 4, 44, 11. — 3) zu erlangen streben, trachten nach: शरीरक्लेशसंभूतं स धर्मं परिमार्गति R. GORR. 2, 108, 30 (°मार्गति 100, 32 SCHL.). — 4) bitten um: जीवितं परिमार्गति MBh. 3, 14948. — Vgl. परिमार्गि fg.

— संपरि s. संपरिमार्गण.

2. मार्ग, मार्गयति = संस्कारे und जितौ, eine aus Missverständnis der Worte वज्र मार्गसंस्कारगत्याः Dhātup. 32, 74 entstandene Wurzel.

1. मार्ग (von मार्ग) m. das Suchen TRĪK. 3, 3, 66. H. an. 2, 42. MED. G. 15. HALĀS. 5, 21.

2. मार्ग (von मृग) 1) adj. vom Wild —, von der Gazelle kommend: मोस R. 2, 91, 65 (100, 63 GORR.). सु०. 1, 323, 13. VARĀH. BRH. S. 53, 19. MĀRK. P. 15, 22. 32, 17. तेषां काममारण्यं भुञ्जीत नैवारं श्यामाकं मार्गम् LĀTJ. 8, 2, 9 (Ind. St. 1, 30). — 2) m. a) Moschus (vgl. मृगमद) H. an. 2, 42. MED. G. 15. — b) der Monat Mārgaṣṭrīsha AK. 1, 1, 2, 14. 3, 4, 20, 234. TRĪK. 3, 3, 66. H. 155. 152, Sch. H. an. MED. RĪĀ-TAR. 7, 724. — c) das Sternbild Mṛgaṣṭrī- ras H. 109. H. an. — d) (Fährte —, Wechsel des Wildes) Pfad, Weg, Bahn

AK. 2, 1, 15. 3, 4, 17, 99. TRĪK. 2, 1, 19. 3, 3, 66. H. 983. H. an. MED. HALĀS. 2, 105. अन्नमिज्ञा च मार्गोपाम् MBh. 3, 2650. MEGH. 13. 21. 68. वापो चास्मिन्मरुतशिलाबद्धसोपानमार्गो 74. अथ ज्ञापते तस्य गमनागमनमार्गः PAÑĀT. 122, 6. येन तस्याः — उन्नीयते मार्गः der Weg, den sie gegangen ist, VIKR. 57, 12. मार्गे am Wege M. 9, 288. unterweges KATHĀS. 39, 173. 61, 145. अर्धमार्गे VIKR. 3. मध्ये मार्गे ITIH. bei ŚĪJ. zu RV. 1, 125, 1. अ-स्मिन्मार्गे ÇĀK. 90. भगिन्यास्ते मार्गमादेशय 52, 4. शादलच्छक्नमार्गोसु (वन-राजिषु) HARIV. 3606. अस्मिन्मार्गो (पुरी) BHĀG. P. 9, 11, 26. संशोध्य त्रि-विधं मार्गम् M. 7, 185. विप्रदुः° KĀM. NITIS. 15, 5. मार्गो नष्टा वनोद्भवाः MBh. 3, 2541. धष्टमार्ग R. 4, 15, 29. KATHĀS. 10, 70. दुर्ग KĀM. NITIS. 15, 44. भूमिर्दुर्गमार्गो schwer zu passiren R. 5, 41, 40. दुर्गम्° adj. unwegsam Spr. 1446 (die Uebersetzung darnach zu verbessern). भूमौ रुद्धमार्गो HARIV. 13652. MEGH. 100. मार्गं संरुध्य MBh. 3, 2541. धावर्जितलतावृत्तं मार्गं चक्रे 1, 5883. हृदयम् । वापोन मकरकेतोः कृतमार्गम् VIKR. 21. मार्गं दा Jmd (gen.) den Weg geben so v. a. Jmd aus dem Wege gehen, freien Durchgang gewähren MBh. 13, 6700 (एच्छति st. ददति ed. Bomb.). MEGH. 46. R. 5, 94, 8. मार्गानुसारात् KATHĀS. 62, 36. यथावदालोकितमार्गचारिन् KĀM. NITIS. 15, 59. रथेन यथौ मार्गम् RAGH. 2, 72. M. 7, 187. यथादिष्टेन मार्गेण प्रयथौ KATHĀS. 40, 88. PAÑĀT. 98, 22. ततो निजमार्गे गतः darauf ging er seiner Wege VET. in LA. (II) 2, 5. मार्गे प्रचलितः er machte sich auf den Weg 4, 11. अयं मार्गो विदर्भेषु der Weg nach KATHĀS. 56, 314. VID. 286. अग्निशर्पाणामादेशय ÇĀK. 61, 15. 72, 12. VIKR. 19, 18. निज-गमार्गे प्रचलितः VET. in LA. (II) 17, 14. मरु° ein Weg durch die Wüste Spr. 3851. मार्गवर्त्मसु auf Wegen und Stegen INDR. 5, 26 (अग्निसेमार्क-वर्त्मसु MBh. 3, 1842). जालमार्गप्रविष्टं so v. a. durch das Fenster MEGH. 90. द्वारमार्गेण durch die Thür KATHĀS. 61, 69. विपणीमार्गेण über den Marktplatz hin 43, 10. वीथीमार्गेण der Strasse entlang PAÑĀT. 129, 14. Weg so v. a. Reise, Fussreise VARĀH. BRH. S. 68, 3. °विद्य 104, 9. °क्लेश 30. Bahn der Gestirne, des Windes SŪRYAS. 1, 25. 6, 18. 20. 7, 24. VARĀH. BRH. S. 6, 13. 9. 6. 47, 1. मार्गमितदसंबाधमादित्यः परिवर्तते MBh. 3, 11874. 11878 (auch hier n.). पञ्चमेन तु मार्गेण स गतो कृरिपुंगवः R. 6, 82, 68. वायोर्निर्मं परिवरुष्य वदति मार्गम् ÇĀK. 165. अन्वरचर° der Pfad der Vögel so v. a. der Luftraum Spr. 1938. द्युमार्गेण ततार स अन्वुधिम् so v. a. durch die Luft VID. 321. क्ल° der Weg des Pfluges, Furche HARIV. 5774. नदी° der Weg eines Flusses, das Flussbett Spr. 3233. Weg, Durchgang, Kanal (im Körper): मार्गोपरोध सु०. 1, 90, 12. °विशोधन 156, 2. 179, 10. 2, 38, 4. मूत्र° 56, 15. 183, 13. आहारनिःसर्ण° Spr. 2281, v. l. कान्यवतिष्ठद्वारणि मार्गोपावरजन्मनाम् so v. a. um ihnen den Weg zu eröffnen BHĀG. P. 3, 20, 1. श्रोत्रमार्गे गतः zu Ohren gekommen Spr. 401. मदनसायकाः प्रविष्य श्रुतिमार्गेण राजस्तस्यालगन्कृदि so v. a. dadurch, dass man ihm von ihr erzählte, KATHĀS. 51, 122. श्रुतिमार्गप्रविष्ट 31, 3. भवतः शशकपिञ्जलमार्गेण यास्यति es wird euch eben so ergehen wie PAÑĀT. 167, 22. तेन पायात्सतो मार्गम् den Pfad der Guten M. 4, 178. पितृपैतामहे मार्गे MBh. 1, 6156. कुल°, शास्त्र° Spr. 705. Weg zur Erkenntnis u. s. w. Verz. d. Oxf. H. 253, b, 17. संपदाम् zum Glück Spr. 356. मार्गो ऽयं धर्मस्याष्टविधः स्मृतः Spr. 416. धर्म° PAÑĀT. 186, 20. त-नयं मार्गे प्रवृत्तेः संनियोजय MĀRK. P. 26, 27. कर्म° 28. शान्ति° RAGH. 7, 68. विचार° KUMĀRAS. 8, 42. ज्ञान° Spr. 986. सन्मुक्ति° 2279. निवृत्तो ऽहं